एम0 ए0 संस्कृत

MAST - 01

वैदिक वाङ्मय

खण्ड–01 वेद

इकाई–1 ऋग्वेद का सामान्य परिचय

चार वेद, चार ऋत्विक, वेदत्रयी, वेद के विभाग, संहिता गन्थ, ऋग्वेद का रचनाकाल तथा ऋग्वेद संहिता।

इकाई–2 देवता परिचय

इन्द्र, सवितृ, मरुत, विश्वामित्र–नदी संवाद, अग्नि, अक्ष, राष्ट्राविभवर्धनम्, पृथिवी।

इकाई–3 वैदिक व्याकरण

वैदिक ध्वनियाँ, ध्वनियों के भेद, वैदिक संधियाँ, व्यंजन संधियां, विसर्ग संन्धि, वैदिक शब्द रूप– धातु रूप, वैदिक प्रत्यय, क्रिया विशेषण तथा अव्यय, वैदिक उपसर्ग तथा वैदिक स्वर।

इकाई–4 निम्नलिखित सूक्तों का हिन्दी अनुवाद, पदपाठ तथा व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ :–

ऋग्वेदीय सूक्त – इन्द्र – 1 / 32

सवितृ – 1 / 35

मरूत् – 1 / 85

इकाई–5 अक्ष– 10/ 34

विश्वामित्र – नदी संवाद– 3/33

अग्नि 4/ 7

इकाई–6 अथर्ववेदीय सूक्त : राष्ट्राभिवर्धनम् – 1 / 29

पृथिवी 12/1 (प्रारंभिक 1 से 10 मंत्र तक)

खण्ड–02 निरूक्त एवं उपनिषद्

इकाई–7 निरूक्त, केनोपनिषद् एवं वैदिक वाड्.मय का सामान्य अध्ययन।

इकाई–8 निरूक्त प्रथम अध्याय – पाँचों पादों की व्याख्या तथा अनुवाद।

इकाई–9 केनोपनिषद् अनुवाद सामान्य परिचय तथा प्रथम से चतुर्थ खण्ड तक की व्याख्या।

इकाई–10 वैदिक संहिताओं एवं ब्राह्मणों का सामान्य परिचय।

MAST - 02

पलि–प्राकृत, अपभ्रंश एवं भाषा विज्ञान

खण्ड –01 पालि

इकाई–1 पालि भाषा

व्युत्पत्ति, उत्पत्ति, विकास और विशेषताएंः– प्राचीन भारतीय आर्यभाषा, पालि साहित्य– सामान्य परिचय, पालि व्याकरण।

इकाई–2 पालि पाठ

निम्नलिखित पाठों से अनुवाद, संस्कृत रूपान्तर तथा व्याकरणात्मक टिप्पणी

अ. बाबेरूजातकम्

ब. महाभिनिक्खमनं

स. मायादेविया सुपिनं

द. महापरिनिब्बानसुत्तं

य. धम्मपद संगहो

खण्ड – 02 प्राकृत एवं अपभ्रंश

इकाई–3 प्राकृत साहित्य का परिचय

सामान्य परिचय, प्राकृत व्याकरण

इकाई–4 प्राकृत पाठ

अ. गाहासत्तसई

ब. रावणवहो

स कर्पूरमञ्जरी

इकाई–5 अपभ्रंश साहित्य परिचय एवं पाठ

अ अपभ्रंश भाषा और साहित्य, अपभ्रन्श का संक्षिप्त परिचय।

ब. अपभ्रंश मुक्तक संग्रह

ब. संन्देशरासकम्

खण्ड–03 भाषा विज्ञान

इकाई–6 भाषा : उत्पत्ति, विकास , परिभाषा एवं विविध रूप

इकाई–7 ध्वनि विज्ञान, पद विज्ञान

ध्वनि विज्ञान , ध्वनि परिवर्तन के कारण, दिशाएं, ध्वनि नियम, पद विज्ञान,

पद विभाग, व्याकरिणिक कोटियाँ, रूप (पद) परिवर्तन के कारण।

इकाई –8 वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान

इकाई–9 प्रमुख भारतीय भाषा शास्त्रियों का परिचय :– यास्क, पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि और भर्तृहरि ।

MAST - 03

व्याकरण तथा अलंकार

खण्ड–01 लघु सिद्धान्त कौमुदी से

इकाई–1 रूप सिद्धी– अजन्त प्रकरण

1. पुल्लिंग – राम, सर्व, हरि
2. स्त्रीलिंग : रमा, नदी
3. नपुंसकलिंगः ज्ञान

इकाई–2 हलन्त प्रकरण –

1. पुल्लिंग – राजन्, इदम्
2. स्त्रीलिंग– मातृ
3. **नपुंसकलिंग– अहन्**

इकाई–3 तिङन्त प्रकरण – गम् , भू, एध् (रूप सिद्धि दसों लकारों में)

खण्ड– 02 **प्रत्यय प्रकरण**

इकाई–4 प्रकरण कृदन्त तथा तद्धित

कृत् प्रत्यय, पूर्व कृदन्त, उत्तर कृदन्त, स्त्री प्रत्यय तथा तद्धित प्रत्यय

इकाई–5 समास – सामान्य परिचय

केवल समास , अव्ययीभाव समास, तत्पुरूष समास, बहुव्रीहि समास, द्वन्द्व समास।

खण्ड–03 **अलंकार शास्त्र**

इकाई–6 अलंकार शास्त्र का परिचय

अलंकार शास्त्र का नामकरण, काव्य में अलंकारों का स्थान, अलंकार सम्प्रदाय का अर्थ, आचार्य मम्मट एवं उनका काव्यप्रकाश, मम्मट का वैशिष्ट्य, अलंकारों का क्रमिक विकास ।

इकाई–7 अलंकार सम्प्रदाय

विभाजक तत्व, शब्दालंकार और अर्थालंकार के मध्य भेद, अलंकारों की संख्या, अनुप्रास, यमक तथा श्लेष अलंकार।

इकाई–8 अर्थालंकार

उपमा, रूपक, अर्थान्तरन्यास, अतिशयोक्ति, अपहनुति, भ्रान्तिमान, दृष्टांत दीपक, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह, निदर्शना, काव्यलिंग अलंकार ।

MAST - 04

काव्यशास्त्र

1. काव्यप्रकाश – प्रथम से चतुर्थ उल्लास तक

   कारिकाओं की व्याख्या, काव्यप्रकाश का सामान्य परिचय तथा आलोचनात्मक प्रश्न।

2. काव्यशास्त्र के प्रमुख सम्प्रदायों का सामान्य परिचय ।

MAST - 05

नाट्य एवं नाट्यशास्त्र

1. वेणीसंहार – प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय अंक
2. रत्नावली नाटिका (सम्पूर्ण)
3. दशरूपक – प्रथम तथा तृतीय प्रकाश

   (अवलोक सहित)

   श्लोकों तथा कारिकाओं का अनुवाद, संस्कृत व्याख्या, पात्रों का चरित्र चित्रण, कवि परिचय, ग्रन्थों का परिचय तथा प्रश्न।

MAST - 06

दर्शन

खण्ड–01 **सांख्यकारिका**

इकाई–1 सांख्यदर्शन की परम्परा और सांख्यकारिका :– सांख्य शब्द का अर्थ, सांख्य दर्शन के आचार्य– कपिल, आसुटि, पच्चशिख, वार्षगण्य, जैगषिण्य, विन्ध्यवास ईश्वर कृष्ण और उनकी सांख्यकारिका, सांख्यकारिका की टीकाएँ। सांख्यकारिका (1–20) का प्रतिपाद्य।

इकाई–2 समीक्षा : कारिका 1 से 9 तक– व्याख्या, अनुवाद तथा समीक्षा।

इकाई–3 कारिका 10 से 20 तक – व्याख्या, अनुवाद तथा समीक्षा।

खण्ड–02 **तर्कभाषा**

इकाई–1 न्यायदर्शन की परम्परा और तर्कभाषा :– 'न्याय' का अर्थ, 'तर्क' शब्द का अर्थ, न्याय दर्शन का प्रतिपाद्य एवं वैशिष्ट्य, न्याय दर्शन के प्रमुख आचार्य– गौतम, वात्स्यायन, अद्योतकर, वाचस्पति मिश्र, उदयन तथा जयन्त भट्ट। प्राचीन न्याय और नण्य न्याय, नण्य न्याय के प्रमुख आचार्य, न्याय वैशेषिक प्रकरण ग्रन्थों की परम्परा।

इकाई–2 वाचन, व्याख्या तथा विषय समीक्षा :– प्रत्यक्ष प्रमाण पर्यन्त।

इकाई–3 वाचन, व्याख्या, विषय समीक्षा– अनुमान प्रमाण पर्यन्त।

खण्ड–03 **वेदान्तसार।**

इकाई–1 अद्वैतवेदान्त की परम्परा में वेदान्तसार :– वेदान्त का साहित्य, जीव, ईश्वर, ब्रह्म, शंकराचार्य के परवर्ती आचार्य एवं उनके प्रमुख सिद्धान्त, श्री सदानन्द तथा उनका वेदान्तसार।

इकाई–2 अधिकारी, अज्ञान का स्वरूप तथा उसकी शक्तियाँ।

इकाई–3 सूक्ष्मशरीर एवं पंचीकरण।

इकाई–4 महावाक्य तथा मुक्ति।

खण्ड–04 **योग दर्शन**

इकाई–1 योग की परिभाषा, समाधि एवम् उसके भेद, परिभाषा, प्रवर्तक आचार्य, अनुबन्ध चतुष्टय,

चित्त की पांच अवस्थाएँ तथा उसकी वृत्तियाँ, समाधि और उसके भेद।

इकाई–2 ईश्वर तथा अष्टांग योग।

MAST - 07

नाटक

खण्ड–1 मृच्छकटिकम् (सम्पूर्ण)

कवि परिचय, कवि की शैली तथा रसों का संयोजन, काल, नाटकों का उद्‌भव तथा विकास, नाटक का परिचय, पात्रों का चरित्र चित्रण, श्लोकों का अनुवाद तथा संस्कृत व्याख्या एवं सूक्तियों की व्याख्या आदि।

MAST - 08

काव्य

खण्ड– 1 नैषधीयचरितम् – प्रथम सर्ग

खण्ड– 2 विक्रमांकदेव चरितम् – प्रथम सर्ग

खण्ड–3 शिवराजविजयम् – प्रथम निःश्वास

काव्यों का सामान्य परिचय, कवि परिचय, अनुवाद, संस्कृत व्याख्या, चरित्र चित्रण तथा आलोचनात्मक प्रश्न आदि।

MAST - 09

लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं निबन्ध

खण्ड–1 उपजीव्य काव्य – रामायण एवं महाभारत

महाकाव्य महाकाव्यों का उद्भव एवं विकास, लक्षण, प्रमुख महाकाव्यों का सामान्य परिचय

नाट्यसाहित्य, नाट्य का उद्भव एवं विकास, प्रमुख नाट्यकारों एवं नाट्य कृतियों का परिचय,

गद्यकाव्य, चम्पूकाव्य का उद्भव एवं विकास, लक्षण एवं प्रमुख चम्बूकाव्यों का परिचय।

नीतिकथा साहित्य का उद्भव एवं विकास तथा प्रमुख नीतिकथा साहित्य का परिचय।

खण्ड–2 संस्कृत निबन्ध ।

MAST-10

शोध–प्रविधि

खण्ड–1 शोधप्रविधि के प्रमुख आयाम

इकाई–1 शोध अथवा ज्ञानार्जन की योग्यता
इकाई–2 संस्कृत समीक्षाशास्त्र में शोध का स्वरूप
इकाई–3 अनुसन्धान का आधुनिक अभिप्राय
इकाई–4 अनुसन्धान की आवश्यकता
इकाई–5 अनुसन्धान के क्षेत्र
इकाई–6 अनुसन्धान के प्रकार
इकाई–7 शोध प्रविधि की विविध पद्धतियाँ

खण्ड–2 शोधप्रबन्ध–स्वरूप, लेखन एवं उपकरण

इकाई–1 शोधप्रबन्ध एवं शोधपत्र
इकाई–2 शोधविषय
इकाई–3 शोधार्थी एवं शोधनिर्देशक
इकाई–4 शोधविषय का चयन एवं शीर्षक–निर्धारण
इकाई–5 शोधप्रबन्ध का स्वरूप एवं उसकी रूपरेखा
इकाई–6 सामग्री–संकलन : मुख्य एवं गौणस्त्रोत
इकाई–7 शोध–प्रबन्ध के मुख्य घटक–अध्यायों में विभाजन
इकाई–8 पादटिप्पणी एवं उद्धरण
इकाई–9 भूमिका
इकाई–10 निष्कर्ष एवं ग्रंथसूची
इकाई–11 आधुनिक शोधकार्य में संगणक की भूमिका

खण्ड–3 ग्रन्थ सम्पादन–स्वरूप एवं प्रक्रिया

इकाई–1 ग्रन्थ क्या है? सम्पादन का वर्तमान अर्थ।
इकाई–2 पाण्डुलिपियों के स्त्रोत
इकाई–3 सम्पादन के सहायक अंग–विशिष्ट ग्रंथसम्पादन
इकाई–4 समीक्षात्मक व्याख्या–पद्धति
इकाई–5 मूलग्रंथ अथवा शास्त्र का भाष्य

इकाई–6 ग्रंथ–समीक्षा का स्वरूप
इकाई–7 सम्पादन–प्रक्रिया